बुधवार
25 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

कैसे चुनाव करें कुकिंग ऑयल का

पृष्ठ 5

12 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म टाइगर 3

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 254
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

निराशा के समान दूसरा पाप नहीं। आशा सर्वोत्कृष्ट प्रकाश है तो निराशा घोर अंधकार है।

–रश्मिमाला

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

जमरानी बांध परियोजना को मिली केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

संवाददाता

देहरादून। महत्वपूर्ण जमरानी बांध परिजयोजना को केन्द्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

आज यहां उत्तराखंड के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण जमरानी बांध परियोजना को केंद्रीय कैबिनेट ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि इस बांध परियोजना के निर्माण का रास्ता साफ होने से हल्द्वानी व आसपास के क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई की समस्या का हल होगा। उत्तराखण्ड के जनपद नैनीताल में काठगोदाम से 10 कि.मी. अपस्ट्रीम में गौला नदी पर जमरानी बांध (150.60 मी. ऊंचाई) का निर्माण प्रस्तावित है। परियोजना से लगभग 1,50,000 हेक्टेयर कृषि योग्य क्षेत्र सिंचाई सुविधा से लाभान्वित होगा, साथ ही हल्द्वानी शहर

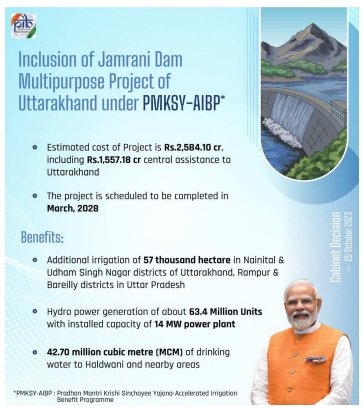

❑मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

को वार्षिक 42 एमसीएम पेयजल उपलब्ध कराए जाने तथा 63 मिलियन यूनिट जल विद्युत उत्पादन का प्रावधान है।

विदित हो कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वृहद एवं मध्यम) के अन्तर्गत जमरानी बांध परियोजना के वित्त पोषण हेतु निवेश स्वीकृति एवं जल शक्ति मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई थी। उक्त स्वीकृतियों के उपरान्त पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड, वित्त मंत्रालय भारत सरकार को वित्तीय स्वीकृति हेतु जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। प्रस्ताव पर वित्त मंत्रालय द्वारा इसी वर्ष मार्च माह में आयोजित पी.आई.बी. की बैठक में सहमति व्यक्त की गई। भारत सरकार द्वारा 1730.20 करोड रूपये की स्वीकृति पी.एम.के.एस.वाई. में 90 प्रतिशत (केन्द्रांश) 10 प्रतिशत (राज्यांश) के अन्तर्गत प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। शेष धनराशि का वहन संयुक्त रूप से उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के साथ किये गये एम. ओ.यू. के अनुसार किया जायेगा। जमरानी बांध परियोजना से प्रभावित 351.55 हेक्टेयर वन भूमि सिंचाई विभाग को हस्तांतरित करने हेतु वन भूमि (स्टेज-2) अंतिम स्वीकृति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

मैं बिल्कुल ठीक हूं चिंता की कोई बात नहीं: हरीश

विशेष संवाददाता

हल्द्वानी। बीती रात एक सड़क हादसे में घायल हुए पूर्व सीएम हरीश रावत को प्राथमिक उपचार और जांच के बाद अस्पताल से रिलीव कर दिया गया है। अपने ट्विटर हैंडल पर उन्होंने अपने स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है वह बिल्कुल ठीक है तथा अस्पताल से उन्हें छुट्टी मिल गई है।

उल्लेखनीय है कि बीती रात लगभग 12 बजे हल्द्वानी से काशीपुर आते समय उनकी कार एक लोडर को ओवरटेक करते समय डिवाइडर से टकरा गई थी जिस समय हादसा हुआ हरीश रावत आगे वाली सीट पर बैठे हुए थे। तेज झटके लगने के कारण उन्हें उस समय थोड़ी चोट आ गई थी तथा सीने में भी दर्द की शिकायत थी। जिसके बाद उन्हें काशीपुर के केवीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके साथ इस दौरान उनके समर्थक भी साथ थे। दुर्घटना की सूचना मिलने पर एसपी के निर्देश पर सीओ बाजपुर भूपेंद्र सिंह भंडारी भी मौके पर पहुंच गए थे।

उनके दुर्घटना का समाचार सोशल

❑जांच के बाद अस्पताल से मिली छुट्टी
❑कल काशीपुर में हुआ था सड़क हादसा

मीडिया पर आने से उनके समर्थक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे लेकिन पूर्व सीएम ने इसकी जानकारी आज खुद देते हुए कहा है कि वह बिल्कुल ठीक है। चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है।

यही नही हरीश रावत ने आज एक सियासी बयान देते हुए कहा कि भाजपा की सरकार और उसके नेताओं का दोहरा चरित्र है। उन्होंने अपने कार्यकाल में संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई काम किये। कॉलेज खुलवाए, छात्रवृत्ति शुरू की लेकिन भाजपा सरकार ने सब कुछ बंद कर दिया है। अब वह मदरसे में संस्कृत पढ़ाने की बात कर रहे हैं उन्होंने कहा कि भाजपा अब मदरसा शरणम गच्छामि है।

विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान में 15 दिनों में 244 करोड़ कैश जब्त

नई दिल्ली। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पिछले 15 दिनों में 244 करोड़ रुपये कैश जब्त किया गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव के मद्देनजर पुलिस, उत्पाद शुल्क, आयकर और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अवैध नकदी, शराब, ड्रग्स, सोना, चांदी आदि की जब्ती में एक नया रिकॉर्ड बनाया गया है। 2023 में कुल जब्ती का आंकड़ा 1000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस साल कुल जब्ती में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है, जो 2021 में 322 करोड़ रुपये, 2022 में 347 करोड़ रुपये और 2023 में अब तक 1,021 करोड़ रुपये है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि जून से चुनाव आयोग सभी प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सीधे समन्वय में काम कर रहा है और तब से 648 करोड़ रुपये की नकदी और अन्य सामग्री जब्त की गई है। पिछले 15 दिनों में (9 अक्टूबर से अब तक) 244 करोड़ रुपये की नकदी और अन्य सामग्री जब्त की गई है।

भारत ने फिलीस्तीनी लोगों के लिए 38 टन भोजन व महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण भेजे

नई दिल्ली। इजरायल-हमास जंग के कारण पूरी दुनिया में चिंता का माहौल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस युद्ध से पनपे तनाव को लेकर खुलकर चर्चा हुई। इस दौरान भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि (डीपीआर) राजदूत आर. रवींद्र ने बुधवार को गाजा पट्टी में नागरिकों को मानवीय सहायता भेजने के लिए भारत के प्रयासों को उजागर की।

भारतीय प्रतिनिधि ने बताया कि देश की ओर से फिलीस्तीनी लोगों के लिए 38 टन भोजन और महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण भेजे गए हैं। रवींद्र ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिलिस्तीनी प्रश्न सहित मध्य पूर्व की स्थिति पर खुली बहस में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए

बयान दिया और शत्रुता के नवीनतम अध्याय पर खुली बहस के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और जारी संघर्ष में बड़े पैमाने पर नागरिकों की मौत को लेकर भारत काफी चिंतित है। उन्होंने कहा, बढ़ता मानवीय संकट भी उतना ही चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हम पार्टियों से शांति के लिए आवश्यक स्थितियां बनाने और सीधी बातचीत को फिर से शुरू करने की दिशा में काम करने का भी आग्रह करते हैं जिसमें तनाव कम करना और हिंसा जारी करना शामिल है। उन्होंने कहा, क्षेत्र में हमारी उपयोगिताओं की वृद्धि ने केवल गंभीर मानवीय स्थिति को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि इसने एक बार फिर युद्धविराम की नाजुक प्रकृति को रेखांकित किया है। संयुक्त राष्ट्र में उप स्थायी दूत ने कहा कि इजराइल में 7 अक्टूबर को हुए आतंकवादी हमले चौंकाने वाले थे और भारत ने उनकी स्पष्ट रूप से निंदा की। यूएनएससी में भारत ने इजरायल और हमास युद्ध पर अपनी चिंता व्यक्त की।

दून वैली मेल

संपादकीय

शगुफे बाजी की राजनीति कब तक?

कल दशहरा पर्व के मौके पर देश के तमाम बड़े और छोटे नेताओं को एक ऐसे सामाजिक मंच पर आने का मौका दिया गया जिसकी प्रतिक्षा बीते कुछ सालों से सभी सत्तादारी दलों को रहती है। क्योंकि इसका सौभाग्य उन्हें सत्ता में होने के कारण ही मिलता है इसलिए वह अपनी राजनीतिक बातों को हर संभव आम जनता तक पहुंचा पाते हैं। पर्व और त्योहार पर नेताओं को मिलने वाला अवसर इसलिए बहुत अहमियत रखता है क्योंकि यहां उन्हें भीड़ जुटाने के लिए कोई प्रयास भी नहीं करने पड़ते हैं तथा इसमें उनको या पार्टी को एक चवन्नी भी खर्च नहीं करनी पड़ती है। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां दिल्ली के द्वारका सेक्टर 10 में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि समाज से जातिवाद और क्षेत्रवाद को समाप्त करना ही होगा और इस दशहरा उत्सव को हर बुराई पर राष्ट्रभक्ति की जीत का प्रतीक भी बनना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 सालों से केंद्रीय सत्ता के शीर्ष पर आसीन हैं इन 10 सालों में देश के समाज से जातिवाद और क्षेत्रवाद को मिटाने के लिए खुद उन्होंने और उनकी सरकार ने क्या कुछ किया है? या आगे क्या कुछ करने की योजना उनके पास है? इस सवाल का जवाब न तो भाजपा के उन कार्यकर्ताओं के पास है जो गौ रक्षा के नाम पर लोगों को जिंदा जला देते हैं और न प्रधानमंत्री मोदी के पास है। देश की आजादी के 75 सालों में देश में देश के नेताओं द्वारा जिस तरह की राजनीति जातिवाद और क्षेत्रवाद को लेकर की जा रही है वह किसी से भी छिपी नहीं है। वर्तमान दौर में नेताओं के नफरती भाषणों का मुद्दा सबसे ज्यादा गर्म है। आए दिन कोई न कोई नेता धर्म-जाति और सांप्रदाय विशेष को लेकर ऐसा बयान दे देते है कि समाज में भेदभाव और सांप्रदायिकता चिंगारी को हवा मिलती रहे। यहां यह कहना कतई भी अनुचित नहीं होगा कि जाति धर्म और सांप्रदायिकता व क्षेत्रवाद तो वर्तमान की राजनीति के प्रमुख औजार और संजीवनी बन चुके हैं अगर यह खत्म हो गए तो देश के तमाम नेताओं और राजनीतिक दलों की राजनीति ही खत्म हो जाएगी। जिस जाति धर्म सांप्रदायिक व क्षेत्रवाद की विष बेल को हमारे नेताओं ने कभी मंदिर-मस्जिद और कभी मंडल-कमंडल के जरिए 75 सालों तक पोषित किया है आज अगर प्रधानमंत्री उसे बेल को उखाड़ फेंकने की बात कर रहे हैं तो वह बेवजह नहीं है अगर विपक्षी दलों द्वारा देश में 2024 के चुनाव से पूर्व जातीय जनगणना का मुद्दा आगे नहीं बढ़ाया गया होता तो प्रधानमंत्री को इस तरह के शगुफे बाजी की कदाचित भी जरूरत नहीं पड़ रही होती। खैर अब थोड़ी बात उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की करें जो इन दिनों प्रदेश के मुख्य सेवक है। अब तक वह उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने की बात करते थे लेकिन वह भी अब दो कदम आगे बढ़कर उत्तराखंड को राष्ट्रगुरु बनने तक का सफर तय कर चुके हैं ऐसा लगता है कि वह उत्तराखंड को देश का सबसे विकसित और अग्रणीय राज्य तो बना चुके हैं अब राष्ट्रीय गुरु बनाने की बारी है। वह विकल्प रहित संकल्प के साथ 2025 तक ही ऐसा करने का दावा कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या नेताओं को इस बात की पूर्ण आजादी है कि वह जब चाहे जो चाहे बोल दे। देश को विश्व गुरु बनाने वाली भाजपा के नेताओं की ऐसी बातों को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा था कि भाजपा के नेता भले ही कर कुछ न सके लेकिन शगुफे बाजी में उनका कोई मुकाबला नहीं कर सकता है। सवाल यह है कि क्यों सिर्फ कहने भर से देश विश्व गुरु और उत्तराखंड राष्ट्र गुरु बन जाएगा?

अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का दीपावली महोत्सव एवं डांडिया 29 अक्टूबर को

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन अंतरराष्ट्रीय संस्था है जिसकी अभी करीब 22 देश में नेटवर्क है इसकी शुरुआत बनारसी दास गुप्ता पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा आरंभ किया गया था जिसको बाद में स्वर्गीय रामदास अग्रवाल जी (पूर्व सांसद) ने इसको चौतरफा चलाया। उत्तराखंड के सभी राज्यों में इसकी इकाई का गठन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का उद्देश्य है कि देश विदेश में जो 367 घाटक वैश्य समाज से हैं उन सभी को इकट्ठा करना।

अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन 29 अक्टूबर दिन रविवार को चौधरी फार्म हाउस जनरल महादेव सिंह रोड पर दीपावली महोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से कर रही है। इसमें सांय 3:30 बजे से ड्राइंग प्रतियोगिता का कार्यक्रम तीन कैटेगरी में किया जाएगा आयु 5-8 साल 9- 12 साल और 13-15 साल के विभिन्न स्कूलों के बच्चे जिसमें प्रतिभागी होंगे। प्रतियोगिता में प्रशिक्षित जजों द्वारा बच्चों की बनाई गई ड्राइंग का आकलन करके उसमें से तीन कैटेगरी में से फर्स्ट, सेकंड और थर्ड विजेता चुने जाएंगे एवं संस्था द्वारा उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा सभी ड्राइंग पेंटिंग को कार्यक्रम स्थल पर डिस्प्ले करने की व्यवस्था भी की गई है।

महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए संस्था द्वारा एक दीपावली मेले का भी आयोजन इस कार्यक्रम स्थल पर किया जा रहा है जिसमें महिला द्वारा विभिन्न स्टॉल जिसमें दीपावली संबंध ी सामग्री के अलावा कपड़े के, ज्वेलरी के, एवं खाने-पीने से संबंधित स्टॉल महिलाओं द्वारा लगाए जाएंगे।

इस अवसर पर प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा डांडिया नृत्य का भी आयोजित किया गया है जिसमें कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति एवं सभी बंधुओ को एक साथ डांडिया नृत्य करने का प्रयास किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य माहसम्मेलन में पारंपरिक वेशभूषा में प्रशिक्षित एवं प्रतिष्ठित, जाने वाले कलाकार द्वारा डांडिया महोत्सव के रूप में चौधरी फार्म में मनाने का फैसला किया है। जिसमें कार्यक्रम में आए हुए सभी परिजन को डांडिया सीखने की कोशिश अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की तरफ से की जाएगी। इसमें इनाम भी दिए जाएंगे परफॉर्मेंस ड्रेस आदि के हिसाब से प्रोफेशनल द्वारा चिन्हित किया जाएगा।

आज की प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष रामगोपाल, प्रदेश महामंत्री दीपक सिंघल, प्रदेश कोषाध्यक्ष नितिन जैन, महिला प्रदेश अध्यक्ष रामा गोयल, महानगर महिला अध्यक्ष नीता गर्ग, महानगर अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, कुलभूषण अग्रवाल, लच्छू गुप्ता, राहुल अग्रवाल, उपेंद्र अग्रवाल, मीत अग्रवाल, धन प्रकाश गोयल, प्रवीण कुमार अग्रवाल, कपिल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

आंदोलनकारी आरक्षण को भटकाना चाहती हैं सरकारः जोशी

संवाददाता

देहरादून। महेश जोशी ने कहा कि आरोप लगाया कि सरकार आंदोलनकारी आरक्षण को लटकाना भटकाना चाहती है इसी वजह से सदन के पटल पर आधा अधूरा खामियों वाला बिल पेश किया गया।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव एवम चिन्हित राज्य संयुक्त समिति के केंद्रीय प्रवक्ता महेश जोशी ने कहा कि सरकार आंदोलनकारियों के हितों के प्रति गंभीर नही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आंदोलनकारी आरक्षण को लटकाना भटकाना चाहती है इसी वजह से सदन के पटल पर आधा अधूरा खामियों वाला बिल पेश किया गया जब कांग्रेस के विधायकों ने खामियां देखकर इसका विरोध किया तो प्रवर समिति के हवाले कर दिया। सरकार द्वारा कार्यकाल बढ़ाना एक बहाना है जिससे राज्य आंदोलनकारियो की लंबित दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को टाला जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य निर्माण की मूलभावनाओं से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से प्रदेश में भटकाव की स्थिति पैदा हो गई है। प्रदेश का युवा खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है सरकार आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्तियां कर रही है जिससे ठेकेदारी प्रथा को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार एवम स्वरोजगार से जोड़ने को सरकार की न कोई नीति है न ही नीयत। सरकारी विभागों में पद खाली पड़े हैं जिन पर कोई नियुक्ति नही हो रही। प्रदेश की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों की सेवाओं को समाप्त कर दिया गया ये वो लोग है जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किए सेवाएं दी जिन्हे कोरोना वारियार के रूप में सम्मानित किया गया। अस्पतालों में मशीनें धूल फांक रही लेकिन सरकार टेक्नीशियन उपलब्ध नहीं करा पा रही प्रदेश में रेडियोलॉजिस्ट के पद रिक्त हैं। अस्पताल रेफर सेंटर बन कर रह गए। प्रदेश की खनन एवम शराब नीति से प्रदेश को राजस्व की हानि हो रही है। प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं जिसके माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता है । प्रदेश में नैसर्गिक सौंदर्य से पहाड़ी क्षेत्र है जिन्हे चिन्हित कर रोजगारपरक बना कर पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता लेकिन सरकार की कोई इच्छा शक्ति नहीं। देवभूमि उत्तराखंड धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है जहां कण कण में देवताओं का वास है सरकार को इसके माध्यम से तीर्थाटन को बढ़ावा देना चाहिए लेकिन सरकार विफल साबित हुई है।जिससे आम जन मानस में जिन्होंने प्रचंड बहुमत की सरकार चुनकर दी काफी रोष है। उन्होंने कहा कि सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन छेड़ा जायेगा।

17 पेटी अंग्रेजी शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने 17 पेटी अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना पैठाणी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर अवैध शराब तस्करी में लिप्त है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान चाकीसैंण बाजार में छापेमारी कर एक व्यक्ति को 17 पेटी अंग्रेजी शराब सहित हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम हरेन्द्र सिंह रावत पुत्र स्व. गोविन्द सिंह रावत, निवासी ग्राम म्योल्ठी, थाना पैठाणी, जनपद पौड़ी गढ़वाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

वाश्रा अर्षन्तीन्दवोऽभि वत्सं न धेनवः।
दधन्विरे गभस्त्योः।।
(ऋग्वेद ९-१३-७)

जब मनुष्य स्नेह और विश्वास को दिव्य प्रकाश को अर्पित करते हैं, तो दिव्य प्रकाश मनुष्यों की ओर ऐसे आता है जैसे कि गाय अपने बछड़े के पास जाती है। 9-13-7)

स्वच्छ भारत अभियान के तहत वार्ड 9 में चलाया सफाई अभियान

संवाददाता

देहरादून। स्वच्छ भारत अभियान के तहत वार्ड 9 में सफाई अभियान चलाया गया।

आज यहां स्वच्छ भारत अभियान के तहत वार्ड नौ आर्यनगर में सफाई अभियान चलाया गया। नगर आयुक्त मनोज गोयल व मेयर सुनील उनियाल गामा के आदेश पर इस रोड को साफ करके यहां एक बोर्ड लगाया गया। जिससे यहां पर लोग कूडा ना फेंके व गौ माता के लिए कूडा, प्लास्टिक खाने को रोड पर ना डाला जाए कुछ लोगों द्वारा यहां अभी भी कूडा डाला जा रहा है वह स्वच्छ भारत अभियान का उल्लंघन कर रहे है।

कई बार लोकल आफिसर्स को यह कूडा फेंकने पर चालान काटने के लिए कहा गया पर अभी तक वार्ड नौ आर्यनगर के पार्षद व सफाई कर्मचारियों के द्वारा कोई चालान की कार्रवाही नही होने के कारण कुछ लोग यहां पर कूडा फेंक रहे है जिससे सभी लोग परेशान हैं। निगम अधिकारी जल्द चालान की कार्यवाही शुरू करें व ऐसे लोगों पर पुलिस कडी से कडी कार्यवाही करे।

इजराइल-हमास जंग से गड़बड़ाया अमेरिकी गणित

श्रुति व्यास

अभी पिछले महीने तक पूरी दुनिया एक नए समझौते की उम्मीद में झूम रही थी। दुनिया के एक हिस्से में बेशक जंग चल रही थी मगर दूसरे हिस्से में अमन की एक नई सुबह की लालिमा क्षितिज पर दिखलाई दे रही थी। इजराइल और सऊदी अरब के बीच शांति समझौते को आकार देने में अमेरिका मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था। ऐसा लग रहा था कि जल्दी ही एमबीएस और बीबी हमें एक मंच पर दिखेंगेख़ एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए, मुस्कुराते हुए और फोटोग्राफरों के लिए पोज देते हुए। और यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक नए अध्याय का आगाज होता। जैसा कि जैक सुलिवान ने 29 सितम्बर को कहा था, 'मध्य-पूर्व में जितनी शांति अभी है, उतनी पिछले दो दशकों में कभी नहीं रही'। और सात अक्टूबर तक सचमुच मध्य-पूर्व में अमन-चौन का माहौल था।

फिर सात अक्टूबर को हमने अचानक पाया कि मध्य-पूर्व की जंग, यूक्रेन की पुरानी और ताइवान के मुद्दे पर संभावित नई जंग के कहीं ऊपर ट्रेंड कर रही है। इस सबका एक निहितार्थ तो यह है कि वाशिंगटन की मध्य-पूर्व रणनीति धराशायी हो चुकी है और जो बाइडेन की चुनावी राह में कांटे बो दिए हैं (इस पर ज्यादा बात बाद में)। इजराइल मोहल्ले के उस दादा की तरह व्यवहार कर रहा है जो अपने अपमान का बदला लेने पर उतारू है। इसका एक और नतीजा यह हुआ है कि अमेरिका और इजराइल एक-दूसरे के नजदीक आ गए हैं और इजराइल और सऊदी अरब के बीच शांति समझौते की बात लम्बे अरसे के लिए ठंडे बस्ते में डाल दी गई है।

बाइडेन ने फिलस्तीन की समस्या के हल के लिए दोराष्ट्र का जो फार्मूला प्रस्तावित किया था, उसका कोई नामलेवा भी नहीं बचा है। अमेरिका और ईरान के संबंधों में बेहतरी की उम्मीद खत्म हो गई है। और अगर बाइडेन चाहते थे कि मध्य-पूर्व से फुरसत पाकर वे उनके देश और रूस और विशेषकर चीन के बीच दुनिया का चौधरी बनने की दौड़ पर ज्यादा ध्यान दे सकें, तो वह अब मुमकिन नहीं रह गया है। एक 'नया मध्य-पूर्व', जिसमें सभी देश शांति और परस्पर प्रेमभाव से रहें, के आकार लेने की उम्मीदें धूल में मिल चुकी हैं। एक नए अध्याय की शुरुआत तो दूर की बात रही, मध्य-पूर्व रिवर्स गियर में चला गया हैख़ खून-खराबे, अविश्वास और अदावत के पुराने दौर में। हमास के हमले पर कुछ अरब देश और मुसलमानों का एक तबका तालियां बजा रहा है। जाहिर है कि जब इजराइल बदले की कार्रवाई करेगा, तो ये लोग खुश नहीं होंगे। अरब देशों के शासकों को यह डर सता रहा है कि इस घटनाक्रम के चलते उनके देश की जनता में असंतोष न भडक उठे। कई लोगों का तो यह मानना है कि इजराइल पर हमला इस समय इसलिए किया गया ताकि इजराइल और सऊदी अरब के बीच सम्बंध सामान्य करने की कवायद को रोका सकें और यह भी कि इसके पीछे ईरान है। पिछले महीने तक सऊदी अरब, इजराइल के साथ बेहतर सम्बंध स्थापित करने के प्रति काफी उत्साहित नजर आ रहा था। पर अब सब कुछ बदल गया है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हमास के हमले के लिए 'लम्बे समय से जारी कब्जे, फिलस्तीनी लोगों को उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित किए जाने और फिलस्तीनियों के लिए पवित्र और अहम स्थानों के खिलाफ योजनाबद्ध भडकाने वाली कार्यवाहियों' को जिम्मेदार ठहराया है।

इजराइल प्रतिशोध की आग में जल रहा है। वहां के रक्षा मंत्री येव गैलेंट ने कहा है कि 'हम नरपशुओं से युद्धरत हैं और हमारा व्यवहार इसी के अनुरूप होगा'। इजराइल और सऊदी अरब के बीच किसी भी प्रकार के समझौते की सम्भावना शून्य हो गई है। अब इजराइल का कोई नेता, फिलस्तीनियों के साथ किसी भी प्रकार की रियायत करने की बात तक नहीं कर सकता और सऊदी अरब, इजराइल के प्रति नरम रुख अपनाने की सोच भी नहीं सकता। और बाइडेन प्रशासन को अहसास है कि एक लम्बे अरसे तक इजराइल-सऊदी समझौते की बात करना भी बेकार होगा।

अमेरिका और बाइडेन के लिए इससे भी बड़ी समस्या है ईरान। रिपब्लिकन कह रहे हैं कि इजराइल पर हमले और बाइडेन की ईरान के प्रति रुख में सीध ा सम्बंध है। रिपब्लिकन ईरान पर अधिकतम दबाव बनाये रखने की अमेरिकी नीति को त्यागने के लिए बाइडेन पर हमलावर हैं, विशेषकर इसलिए क्योंकि उन्होंने ईरान में कैद पांच अमेरिकी नागरिकों को रिहा करवाने के लिए उस देश के साथ सौदा किया था। अपने देश में बाइडेन चौतरफा मुसीबतों से घिरे हुए हैं। चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, कांग्रेस पंगु है, सीनेट का स्पीकर नहीं है और नवम्बर में सरकार के शटडाउन का डर बना हुआ है।

शांति की जगह युद्ध ने ले ली है और उम्मीद की जगह हताशा ने। दुनिया को अब दो युद्धों से निपटना है। यूक्रेन का युद्ध, जिसका आज 600वां दिन है, और मध्य-पूर्व की लड़ाई, जो अपने 11वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। एक पुराना श्राप है, जो आशीर्वाद जैसा लगता है, 'मे यू लिव इन इंटरेस्टिंग टाइम्स'। निश्चित रूप से हम दिलचस्प दौर में जी रहे हैं। मगर यह दौर, भयावह अनिश्चितता और त्रासदी का दौर भी है।

प्राकृतिक रूप से घर पर करें मैनीक्योर

हर महिला का सपना होता है लंबे नाखून रखना! इसलिए महिलाओं का अपने नाखूनों से प्यार होना स्वाभाविक है, जिसके लिए आपको मैनीक्योर-पैडीक्योर की जरूरत भी पड़ती है। जब आपको मैनीक्योर की आवश्यकता होती है तो सैलून में जाकर मैनीक्योर करवाना हर किसी के लिए आसान होता है। निश्चित रूप से ज्यादा पैसे खर्च करके हर काम को आसान बनाया जा सकता है, और सैलून जाने से आपको नेल पॉलिश और नेलआर्ट संबंधित बहुत से विकल्प भी मिल जाएंगे। लेकिन फिलहाल सोशल-डिस्टन्सिंग वाले माहौल में सैलून जाने में शायद आपको हिचकिचाहट होगी। ऐसे में हम आपके लिए लेकर आए हैं प्राकृतिक मैनीक्योर, जो आपकी उंगलियों और नाखूनों के स्वास्थ्य को अच्छा रखते हैं और इन्हें आसानी से घर पर किया जा सकता है।

हम अपने हाथों का उपयोग हर काम को करते वक़्त करते हैं, जिससे हाथों में धूल और गंदगी लगना लाज़मी है। जाहिर है आप नियमित रूप से साबुन से धोकर आपने हाथ साफ रखते होंगे, लेकिन यह आपके नाखूनों में छिपी गंदगी को दूर नहीं करेगा; गंदगी जो समय के साथ इकट्ठा होती है और संक्रमण का कारण बन सकती है। नियमित मैनीक्योर नाखून में छिपी गंदगी और कीटाणुओं को दूर करने में मदद करता है।

क्यूटिकल्स वह डेड स्किन है जो आपके नाखूनों के किनारे वाली स्किन के पास इकट्ठा होती है। यह आपके नाखून के आसपास की स्किन की मोटी परतों के बीच कीटाणु-अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। यदि नियमित रूप से आप घर पर मैनीक्योर करते हैं, तो यह क्यूटिकल्स को नरम, पोषित और उन्हें अच्छे आकार में रखेगा।

नियमित मसाज आपको रिलैक्स रखने के लिए बहुत आवश्यक है। ख़ास तौर पर आजकल की भाग-दौड़ भरी जिंउगी में आपको जरूरत है एक बेहतरीन मालिश की,, जो आपकी हथेली और उंगलियों के सभी प्रमुख बिंदुओं को छूती है, जिससे आपके पूरे शरीर को आराम मिलता है।

मैनीक्योर से हाथ मुलायम बनते हैं : एक आरामदायक मसाज में स्क्रबिंग और एक्सफ़ोलीटिंग शामिल होती है, जो आपके हाथों को एक बच्चे के हाथों की तरह नरम और साफ कर देगा। फिर 2 सप्ताह के लिए आप निश्चिंत हो जाए, जब तक आपके अगले मैनीक्योर का सत्र नहीं आता!

प्राकृतिक रूप से घर पर मैनीक्योर कैसे करें: बार-बार मैनीक्योर के लिए सैलून जाना आपके समय और पैसे दोनों की बर्बादी कर सकता है। इसलिए पैसे बर्बाद किए बिना घर पर इस सरल कट-फाइल-पॉलिश मैनीक्योर को करने से आप अपने नाखूनों की खूबसूरती को बरक़रार रख सकती है। एक होममेड मैनीक्योर स्क्रब का उपयोग कर आप अपने हाथों को खूबसूरत बना सकती हैं। तो चलिए जानते हैं कि प्राकृतिक सामग्रियों के साथ मैनीक्योर कैसे करें, और सभी सामग्रियां पहले से आपके घर में मौजूद हैं:

पहला चरण: नाखून काटें : सबसे पहले, अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोएं और फिर, एक अच्छी नेल पेंट रिमूवर और रुई की मदद से पुराने नेल पेंट को हटा दें। फिर, लंबाई को कम करने के लिए नेल फाइलर से नाखूनों के कोनों को सेट करें। आप चाहें तो अपने नाखूनों को गोल, चौकोर या ओवल शेप दे सकती हैं। ख़ास टिप: एक बड़े कट से अपने नाखून के सफेद हिस्से को काटने के बजाय छोटे कट्स का उपयोग करें।

दूसरा चरण: फ़ाइल: नाखून के किनारे को स्मूथ करने के लिए एक दिशा में फाइल करके मोटे किनारों को बंद करें। फाइलर को अलग-अलग दिशाओं में आगे-पीछे करने से नाखून फट सकते हैं। ज्यादा जानकारी के लिए यूट्यूब पर इससे संबंधित वीडियो देख लें।

तीसरा चरण: हाथों को थोड़ी देर भिगों के रखें : एक बाउल में हल्का गुनगुना पानी भर लें। फिर उसमें 2 बड़े चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस डालें। नींबू एक बेहतरीन डी-टैनिंग और वाइटनिंग एजेंट के रूप में काम करता है जबकि शहद एक शानदार मॉइस्चराइज़र है। इस घोल में अपने हाथों को 5 मिनट के लिए भिगोएं और उन्हें सॉफ्ट होने दें। इसके बाद अपने नाखूनों में फाइलर के हैंडल का उपयोग करके क्यूटिकल्स को प्रेस कर पीछे की तरफ करें। उन्हें मुलायम रखने के लिए क्यूटिकल्स पर थोड़ा सा जैतून का तेल मलें।

चौथा चरण: स्क्रब करें: वैसे तो आप घर पर कई तरह के मैनीक्योर स्क्रब बना सकते हैं, लेकिन यह सबसे सरल और असरदार तरीका है, नींबू, चीनी और जैतून के तेल का स्क्रब सभी प्रकार की स्किन के लिए उपयुक्त है। एक छोटी कटोरी में दो चम्मच चीनी, आधा चम्मच जैतून का तेल और एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। आपकी हथेलियों से निकलने वाली गर्मी चीनी के क्रिस्टल को पिघला देगी, जो बदले में डेड स्किन सेल्स को धीरे-धीरे बाहर निकाल देगा।

मोटापे से हैं परेशान तो आज ही खाना शुरू करें शिमला मिर्च

सर्दियों के मौसम में शिमला मिर्च की सब्जी खाने का मजा ही कुछ और है. इसमें विटामिन ए, विटामिन सी और बीटा कैरोटीन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं. शिमला मिर्च को कई तरीके से सब्जियों में इस्तेमाल किया जा सकता है. इसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है जिस वजह से इसके सेवन से मोटापा नहीं बढ़ता है और कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल रहता है.

रिपोर्ट के मुताबिक़ जानते हैं शिमला मिर्च खाने के फायदे..

वजन होगा नियंत्रित:

कई लोग मोटापे से परेशान होते हैं और वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए शिमला मिर्च का इस्तेमाल करना काफी कारगर साबित हो सकता है. इसमें काफी कम कैलोरी होती है. ऐसे में ये बेहद आसानी से पच जाती है. इसे खाने से बॉडी का मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है.

पोषक तत्वों से भरी हुई:

शिमला मिर्च में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो बॉडी के लिए बेहद जरूरी हैं. इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, फलेवानाइॅड्स, अल्कालॉइड्स, टैनिन और अल्कालॉइड्स प्रचुर मात्रा में होते हैं जो एंटी-इंफलेमेटरी, एनलजेस्टिक और एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करते हैं.

आयरन को सोखने में करती है मदद:

बॉडी में आयरन को सोखने के लिए विटामिन सी की आवश्यकता होती है. चूंकि इसमें आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. ऐसे में इसके सेवन से बॉडी अच्छी तरह आयरन का इस्तेमाल कर पाती है और आपको खून की कमी या एनीमिया भी नहीं होता है.

ईरान ने इजराइल को दी धमकी

श्रुति व्यास

हमास और इजराइल में चल रही जंग के बीच ईरान ने इजराइल को धमकी दी है। उसने गाजा पर हमले तुरंत रोकने का कहा है। ईरान ने कहा है कि अगर गाजा में हमले तुरंत नहीं रोके जाते हैं तो मुस्लिम सेना को रोकना मुश्किल हो जाएगा। इस बीच खबर है कि अमेरिका अपने सैनिकों की तैनाती इजराइल में करने जा रहा है। कहा जा रहा है कि अमेरिका अपने 11 हजार सैनिक इजराइल में तैनात कर सकता है।

अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सैनिक सीधे युद्ध नहीं लड़ेंगे, बल्कि इजराइल की सेनाओं को तकनीकी और मेडिकल सहयोग देंगे। इस बीच अमेरिकी सेना के प्रमुख माइकल एरिक कुरिला भी इजराइल पहुंच गए हैं। इजराइल की ओर से लगातार हो रहे हमले अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की खबरों के बीच ईरान ने इजराइल और उसका समर्थन करने वाले देशों को कड़ी चेतावनी दी है।

ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनाई ने कहा कि अगर इजराइल ने गाजा में बमबारी बंद नहीं की, तो दुनिया मुस्लिम सैनिकों को रोक नहीं पाएगी। गौरतलब है कि इजराइल में सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से ही इजराइली सेनाएं गाजा पर लगातार बम बरसा रही हैं। ये हमले दक्षिणी गाजा के खान यूनिस और राफा में किए गए हैं। पिछले 24 घंटे में वहां 7० से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। जंग में अब तक इजराइल के 14 सौ लोग, गाजा के 28 सौ से ज्यादा लोग और वेस्ट बैंक के 57 लोग मारे गए हैं। इनके अलावा इजराइल की सेना ने हमास के डेढ़ हजार लड़ाकों को मार गिराया है। इस बीच हमास ने ढाई सौ लोगों को बंधक बनाने का दावा किया है। पहले कहा जा रहा था कि 199 लोग बंधक हैं। लेकिन हमास की मिलिट्री के प्रवक्ता अबु ओबेदा ने कहा है कि उनकी कैद में दो सौ से ढाई सौ नागरिक हैं। इनमें से विदेशी नागरिकों को हमास ने अपना मेहमान बताया है और कहा है कि हालात सुधरने पर उन्हें रिहा कर देंगे। ओबेदा ने ये भी कहा कि वो गाजा में इजराइल के बड़े जमीनी ऑपरेशन से डरते नही हैं। गौरतलब है कि इजराइली सेना 1० हजार सैनिकों के साथ गाजा में जमीनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

कानूनी प्रावधान के अनुरूप

सुप्रीम कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि विवाह व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं है, इसलिए समलैंगिक व्यक्तियों के विवाह की मांग के पक्ष में उसने फैसला नहीं दिया। उसने यह उचित व्याख्या की कि स्पेशल मैरिज ऐक्ट में समलैंगिक विवाह का प्रावधान नहीं है।

समलैंगिक विवाह मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला संविधान और वर्तमान कानून के मुताबिक है। सुप्रीम कोर्ट से अति अपेक्षा रखने वाले आलसी कार्यकर्ता समूहों को भले इससे मायूसी हुई होगी, लेकिन कोर्ट का खुद को अपने दायरे में रखने के निर्णय से वैधानिक तौर पर असहमत होने की कम गुजाइशें ही हैँ। यह कहा जा सकता है कि ऐसी अति अपेक्षाएं पैदा करने में खुद सर्वोच्च न्यायालय की भी भूमिका रही है। एक दौर में संविधान से मिले न्यायिक समीक्षा के अधिकार की बेहद व्यापक परिभाषा करते हुए उसने संविधान के बुनियादी ढांचे की अवधारणा स्थापित कर दी और फिर चूंकि मौलिक अधिकार संविधान के इस ढांचे का हिस्सा हैं, इसलिए उसने खुद को इन अधिकारों का संरक्षण घोषित कर दिया। उस दौर में उसने खुद मौलिक अधिकारों की व्यापक से व्यापक व्याख्याएं कीं। इससे एक तबके में यह धारणा बन गई कि बिना सामाजिक-राजनीतिक माहौल बनाए भी न्यायपालिका के हस्तक्षेप से समाज में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैँ।

बहरहाल, अब उस समझ की सीमाएं स्पष्ट हो गई हैँ। चूंकि सुप्रीम कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि विवाह व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं है, इसलिए समलैंगिक और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के विवाह की मांग के पक्ष में उसने फैसला नहीं दिया। उसने यह उचित व्याख्या की कि स्पेशल मैरिज ऐक्ट में समलैंगिक विवाह का प्रावधान नहीं है। यह प्रावधान जोडऩा विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने यह सटीक टिप्पणी की कि अगर अदालत एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों को विवाह का अधिकार देने के लिए स्पेशल मैरिज एक्ट की धारा 4 में कोई शब्द जोड़ती है, तो वह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में प्रवेश माना जाएगी। ऐक्टिविस्ट समूह इस निर्णय से निराश हैं, तो बेहतर होगा कि वे पहले समाज में समलैंगिक विवाह के पक्ष में माहौल बनाएं। जहां तक समलैंगिकों के साथ रहने की बात है, तो न्यायपालिका पहले ही उनके बीच के यौन संबंध को अपराध की श्रेणी से हटा चुकी है। चूंकि यह मुद्दा मौलिक अधिकारों से जुड़ा हुआ था, इसलिए कोर्ट के उस फैसले का संदर्भ अलग था। वह प्रावधान ताजा निर्णय से प्रभावित नहीं होगा।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कैसे चुनाव करें कुकिंग ऑयल का

हम सभी जानते हैं कि हमारे शरीर के लिए दिल और दिमाग का स्वस्थ होना कितना जरूरी है। आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल और अनहेल्दी खानपान की वजह से दिल और दिमाग संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में अपने दिल और दिमाग का खास ख्याल रखना जरूरी है।कुकिंग ऑयल में मौजूद वसा अम्ल दिल और दिमाग के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। जिन तेलों में ओमेगा-3 वसा अम्ल पाए जाते हैं जो कोलेस्ट्रॉल कम करने और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इन तेलों का उपयोग कर दिल और दिमाग को स्वस्थ रखा जा सकता है।आइए हम जानते हैं कि कौन से कुकिंग ऑयल हमारे दिल और दिमाग के लिए सबसे अच्छे होते हैं।

एक्सपर्ट के अनुसार कुकिंग ऑयल का चुनाव करते समय यह बेहद जरूरी है कि हम इस बात का ध्यान रखें कि वह हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो। अक्सर हम बाजार में मिलने वाले सस्ते ऑयल का इस्तेमाल करते हैं बिना यह जाने कि वह कितना अनहेल्दी है।कुकिंग ऑयल में मौजूद वसा अम्लों की मात्रा और गुणवत्ता बहुत मायने रखती है। ऑयल में एमयूएफए और पीयूएफए जैसे असैचुरेटेड फैट्स की अधिक मात्रा होनी चाहिए, विशेष रूप से ओमेगा-3 पीयूएफए जो हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। साथ ही ऑयल को ज्यादा गर्म नहीं करना चाहिए नहीं तो उसमें हानिकारक रसायन बन सकते हैं। सही कुकिंग ऑयल का चुनाव करना जो हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो, बेहद जरूरी है। हमें कीमत से ज्यादा इस बात पर ध्यान देना चाहिए।

ऑलिव ऑयल - ओलीव ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स पाए जाते हैं जो दिल और दिमाग के लिए फायदेमंद होते हैं।

बादाम का तेल - बादाम के तेल में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड्स पाए जाते हैं जो दिल और दिमाग को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

कनोला तेल - कनोला तेल में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

सरसों का तेल - सरसों के तेल में भी ओमेगा-3 फैटी एसिड्स पाए जाते हैं जो दिल और दिमाग को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं।

फुकरे 3 की कमाई 100 करोड़ रुपये के और करीब पहुंची

बॉलीवुड की सबसे सफल कॉमेडी फ्रैंचाइजी फुकरे की तीसरी किस्त फुकरे 3 की कहानी और तमाम कलाकारों की अदाकारी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।इसने अपने साथ रिलीज हुई बाकी फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है।फिल्म की रिलीज का यह तीसरा हफ्ता चल रहा है और यह अभी भी अपनी पकड़ बनाए हुए है।हालांकि, सोमवार को फुकरे 3 की कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई है और इसका कारोबार लाखों में सिमट गया है।

फुकरे 3 की कमाई के 19वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने सोमवार को 85 लाख रुपये कमाए हैं और अब इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 91.68 करोड़ रुपये हो गया है।घटती कमाई के बावजूद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फुकरे 3 की कमाई 100 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है तो वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है।

फुकरे 3 में वरुण शर्मा, मनजोत सिंह, पुलकित सम्राट, ऋचा चड्ढा और पंकज त्रिपाठी हैं।इसकी कहानी पुराने किरदार हनी, लाली, चूचा, पंडित और भोली पंजाबन के साथ आगे बढ़ती है।भोली पंजाबन दिल्ली जल माफिया के काले धन का इस्तेमाल करके दिल्ली विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरती है। वह अपने चुनाव प्रचार का जिम्मा फुकरों को देती है।इस चुनावी घमासान के बहाने दिल्ली में पानी की किल्लत और जल माफियाओं के काले कारनामों को दिखाया गया है।

शब्द सामर्थ्य -070

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

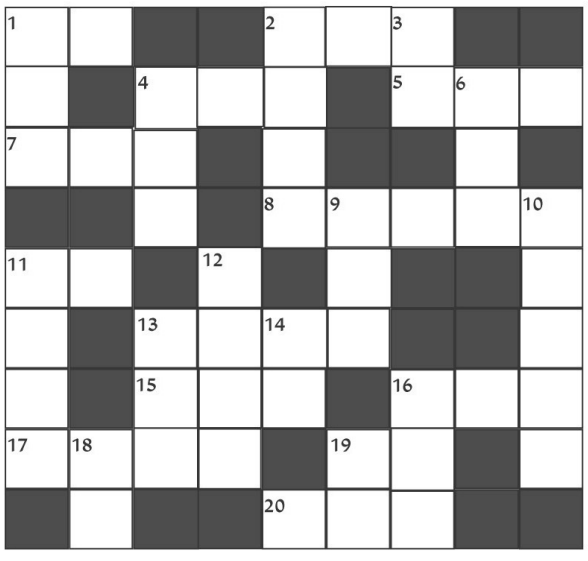

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्री
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

शिवराजकुमार ने घोस्ट में अकेले किए कई खतरनाक स्टंट

कन्नड़ सुपरस्टार शिवराजकुमार की अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म घोस्ट एक ग्रैंड फिल्म है, जिसमें कई पावर-पैक और खतरनाक स्टंट हैं।

एक्टर ने ये सभी खतरनाक स्टंट अपने दम पर किए हैं।

बीरबल ट्रिलॉजी केस पार्ट 1 के निर्देशक ने कहा, मैं शिवन्ना (शिवराजकुमार का दूसरा नाम) को स्टंट करते देखकर हैरान था। हमने बॉडी डबल की पेशकश की लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्हें स्टंट करते देखना प्रेरणादायक था।

प्योर टॉम क्रूज और अक्षय कुमार फैशन में शिवन्ना ने खतरों की परवाह किए बिना कई पावर-पैक और खतरनाक साहसी स्टंट अपने दम पर किए हैं। हालांकि, घोस्ट में, रणरंगा अभिनेता ने अपने करियर के अब तक के सबसे कठिन स्टंट किए।

अपने एक्शन सीन के लिए, फिल्म में तीन अलग-अलग स्टंट निर्देशकों के साथ-साथ तेलुगु इंडस्ट्री से एक फाइट मास्टर भी शामिल थे। शिवन्ना को उनकी कोरियोग्राफी में मदद करते हुए, क्रू के सभी सदस्य अभिनेता के कारनामों और उनके समर्पण से बहुत प्रभावित हुए।

घोस्ट के सेट के कुछ अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, जब स्टंट करने की बात आती थी तो आसेगोब्बा मीसेगोब्बा अभिनेता स्पोर्टी और साहसी हो जाते थे, और हर बार वह उन्हें बड़े उत्साह और अत्यधिक एकाग्रता के साथ करते थे।

घोस्ट एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जो एक व्यक्ति की न्याय की तलाश के साथ-साथ प्रतिशोध की कहानी बताती है। दमदार डायलॉग्स और जबरदस्त एक्शन से भरपूर, घोस्ट एक जबरदस्त एक्शन तमाशा है।

यह फिल्म श्रीनि द्वारा निर्देशित है फिलम हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में सिनेमाघरों में रिलीज हुई। घोस्ट के अलावा, शिवन्ना अभिनेता-निर्माता विष्णु मांचू की फिल्म कन्नप्पा के कलाकारों में भी शामिल हो गए हैं, जहां वह सुपरस्टार मोहनलाल और प्रभास के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगे।

फिल्म गणपत में है टाइगर श्रॉफ का जबरदस्त एक्शन

टाइगर श्रॉफ एक्शन से गणपत में होश उड़ा देने वाले फाइटिंग सीन किए हैं। फिल्म में कृति सेनन ने भी उनका बराबर साथ दिया है। खूब मारधाड़ की है। इसके अलावा भी गणपत का एक और सरप्राइज है और वो हैं अमिताभ बच्चन। स्टार-स्टडेड कास्ट और एक्शन पहले ही गणपत को अलग बना रही है। इसके अलावा फिल्म की एक और बड़ी हाइलाइट है। गणपत में हॉलीवुड के एक्शन स्टंट निर्देशक टिम मैन शामिल है। डायरेक्टर लिगेसी ऑफ लाइज, ट्रिपल थ्रेट और एक्सीडेंट मैन जैसी अपनी ब्लॉकबस्टर्स के लिए जाने जाते हैं। टिम मैन, गणपत में इंटरनेशनल टच देते हैं। गणपत - ए हीरो इज बॉर्न का प्रोडक्शन पूजा एंटरटेनमेंट ने किया है। वहीं, डायरेक्शन विकास बहल ने किया हैं। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया है। फिल्म गणपत 20 अक्टूबर को दुनिया भर में हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज हुई।

12 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म टाइगर 3

टाइगर 3 टाइगर जिंदा है और एक था टाइगर का सीक्वल है। एक्टर सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी की विशेषता वाली टाइगर सीरिज का तीसरा पार्ट फैंस को बेहद पसंद है। हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया और इसे फैंस से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। सलमान खान और कैटरीना कैफ ने ट्रेलर को लेकर फैंस के उत्साह का खुलासा किया, वहीं फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी नजर आ रहे हैं।

टाइगर 3 के ट्रेलर ने फैंस के बीच भारी उत्साह पैदा कर दिया है क्योंकि वे इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। जहां फिल्म के ट्रेलर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी, वहीं फिल्म के निर्माता अब फिल्म का एक नया पोस्टर लेकर आए हैं जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ नजर आ रहे हैं। इमरान हाशमी भी पोस्टर में दिखाई देते हैं और पोस्टर में एक खलनायक के रूप में अपना लुक दिखाते हुए उत्सुक नजर आ रहे हैं।

फिल्म के ट्रेलर का 16 अक्टूबर को अनावरण किया गया और दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया। ऐसा लगता है कि उनकी प्रतिक्रिया ने सलमान खान और कैटरीना कैफ को खुशी से भर दिया है, क्योंकि उन्होंने प्यार के उमडने पर प्रतिक्रिया साझा की है। कैटरीना कैफ का धांसू लुक देख फैंस हैरान हो गए हैं। कैटरीना कैफ ने भी फिल्म के ट्रेलर पर फैंस की दिल छू लेने वाली प्रतिक्रियाओं पर चर्चा की और कहा कि यह अभूतपूर्व है कि पूरी टीम पर कितना प्यार बरसाया जा रहा है। टाइगर सीरिज का तीसरा भाग होने के नाते, उन्होंने फिल्म से लोगों की अपेक्षाओं के बारे में बताया और कहा, टाइगर और जोया एक ही पहेली के दो टुकड़े हैं।

टाइगर 3 12 नवंबर को दिवाली के मौके पर हिंदी सहित तमिल और तेलुगु भाषा में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

मिलन लूथरिया ने सुल्तान ऑफ दिल्ली में बेस्ट परफॉर्मेंस देने किया प्रेरित: मेहरीन पीरजादा

एक्ट्रेस मेहरीन पीरजादा, जिन्होंने पहले फिल्हौरी में अपनी छाप छोड़ी थी, अब हाल ही में रिलीज हुई सुल्तान ऑफ दिल्ली मिनी-सीरीज में संजना के रूप में जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। सुल्तान ऑफ दिल्ली पीरियड क्राइम थ्रिलर सीरीज है, जो नॉवेल सुल्तान ऑफ दिल्ली - असेंशन से प्रेरित है।

इस सीरीज में, मेहरीन एक दयालु लड?ी संजना का किरदार निभा रही है, जो प्यार की गहराइयों में उतरती है और लगातार मिल रहे धोखे से टूट जाती है। दुर्व्यवहार के चलते उसका जीवन और भी दयनीय हो जाता है।

यह शो मिलन लुथरिया के स्किल

डायरेक्शन में मास्टरफुल क्राफ्ट से तैयार किया गया है। इस रोमांचक कहानी में भावनाओं और साज़िश के रोलरकोस्टर के लिए तैयार हो जाइए!

मेहरीन ने कहा कि सीरीज करना रोमांचक था क्योंकि मिलन सर इसे ऐसे शूट करते हैं जैसे यह एक फिल्म हो।

अभिनेत्री ने कहा, यह 70 मिमी का अनुभव था। सीन्स को काटने का कोई प्रयास नहीं किया गया। मुझे मिलन सर के साथ काम करना अच्छा लगा। उनके साथ शूटिंग करना शानदार था। मुझे नहीं पता था कि वह मुझे क्या करने को देंगे। लेकिन, सेट पर पूरी तरह फ्रीडम थी।

वह आपको बताते हैं कि वह आपसे क्या उम्मीद करते हैं। लेकिन, आप उस कैरेक्टर और उसकी आत्मा तक कैसे पहुंचते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। वह बेहद तेज हैं और बहुत कम समय में सीन कर सकते हैं। सेट पर माहौल मस्ती भरा था, जिसके चलते 40 डिग्री में शूटिंग करना भी आसान लग रहा था।

राधे-राधे दन दिया रास गाना खूबसूरत नवरात्रि उत्सव है : दीपशिखा नागपाल

सिंगर दीपशिखा नागपाल का गाना राधे-राधे दन दिया रास दिल को छू लेने वाला गाना है, जो खूबसूरती से पूरी भावना के साथ नवरात्रि का जश्न मनाता है।

गाने में क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटेशन के साथ, गरबा, लोक और शास्त्रीय संगीत का एक शक्तिशाली मिश्रण है।

दीपशिखा नागपाल की आवाज गाने के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, जिसके चलते गाना उत्सवपूर्ण और आनंदमय बन गया है।

हालांकि, राधे-राधे दन दिया रास को बेहतरीन बनाने में निर्माता डीजे शेजवुड का भी अहम योगदान है।

नवरात्रि या गरबा पसंद करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए, डीजे शेजवुड के म्यूजिक के साथ दीपशिखा का गायन नृत्य प्रेमियों के लिए एक संपूर्ण आनंद है।

राधे-राधे डांडिया रास पूरी तरह से नवरात्रि के सार को दर्शाता है। लोगों को डांस करने, गरबा नाइट्स और डांडिया कार्यक्रमों का आनंद लेने के लिए एक साथ लाता है।

दीपशिखा नागपाल ने गाने के बारे में

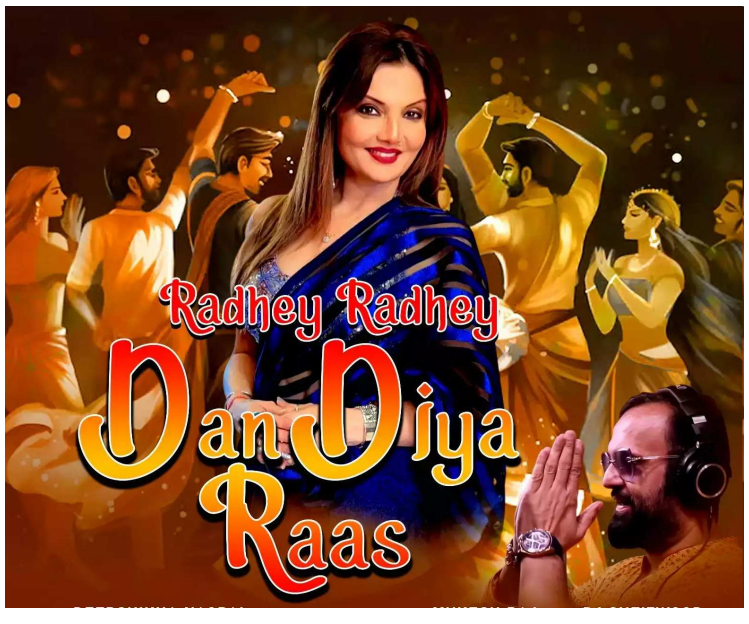

विस्तार से बताते हुए कहा, राधे-राधे दन दिया रास एक गीत से कहीं अधिक है। यह नवरात्रि का उत्सव है।

यह गाना परंपरा और समसामयिक धुनों का एक वाइब्रेंट टेपेस्ट्री है, जिसे इस खूबसूरत त्योहार के जादू को जीवंत करने के लिए प्यार और महान भक्ति के साथ बनाया गया है।

डीजे शेज़वुड ने भी गीत के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा किया, और कहा, यह गाना एक म्यूजिकल जर्नी है, जो आधुनिक दुनिया की ऊर्जा को नवरात्रि की आध्यात्मिकता के साथ जोड़ती है। यह हमारी संस्कृति की शाश्वत परंपराओं का एक गान है, जिसे संगीत की भाषा के माध्यम से जीवंत किया गया है।

लोकसभा के चुनावी मुद्दों की परीक्षा

अजीत द्विवेदी

पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव किसी भी राज्य के सामान्य चुनाव की तरह नहीं है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रहे इन चुनावों में ऐसे मुद्दों या ऐसे एजेंडों की परीक्षा होनी है, जिन पर लोकसभा का चुनाव लड़ा जाएगा। भाजपा अब तक जिन मुद्दों पर चुनाव लड़ती रही है उनमें वह कुछ नए मुद्दे जोड़ती चलती है, उन सबकी परीक्षा इन चुनावों में होगी। साथ ही विपक्षी पार्टियों के गठबंधन यानी 'इंडिया' की ताकत के साथ साथ उनकी ओर से उठाए गए नए और पुराने मुद्दों की भी परीक्षा होगी। ध्यान रहे जुलाई में 'इंडिया' के गठन के बाद पहला चुनाव होने जा रहा है और इसके नतीजों से गठबंधन का भविष्य तय होना है। इसी तरह गाजे-बाजे के साथ आयोजित जी-२० शिखर सम्मेलन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विश्वगुरू या विश्वमित्र की जो छवि गढ़ी है उसके बाद भी पहली बार चुनाव होने जा रहा है। ऐसे समय में यह चुनाव हो रहा है, जब राम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास की खबरों की खुशबू फिजां में तैर रही है और पांच सौ साल बाद रामलला के अपने घर में विराजने की हवा बनाई जा रही है।

तभी 'इंडिया' और एनडीए या कांग्रेस और भाजपा के बीच जोर-आजमाइश में स्वाभाविक तौर पर पहली परीक्षा दोनों गठबंधनों या दोनों बड़ी पार्टियों की ताकत की परीक्षा है। किसने किस तरह से तैयारी की, कैसे उम्मीदवारों का चयन किया, किस तरह से प्रचार किया और किस तरह से चुनाव का प्रबंधन किया, इसकी परीक्षा है। लेकिन इसके साथ साथ इन चुनावों में उन मुद्दों की भी परीक्षा होगी, जिन पर अगला लोकसभा चुनाव होना है। ऐसे चार या पांच मुद्दे हैं, जिनके बारे में फिलहाल यह कहा जा सकता है कि दोनों गठबंधनों की ओर से अगले चुनाव में इनका इस्तेमाल होगा। ये मुद्दे हैं महिला आरक्षण, जाति गणना, मुफ्त की रेवड़ी, नेतृत्व और हिंदुत्व व राष्ट्रवाद। किसी न किसी रूप में ये मुद्दे पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव में आजमाए जाएंगे। इनकी सफलता या विफलता से तय होगा कि अगले लोकसभा चुनाव में मुद्दे ये ही रहेंगे या इसमें कुछ प्लस-माइनस होगा।

अगर विपक्ष के कोर मुद्दे की बात करें तो वह जातीय गणना और आरक्षण का है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुला कर महिला आरक्षण कानून पास कराया है। हालांकि अभी महिला आरक्षण लागू नहीं हो रहा है लेकिन इस कानून के दम पर प्रधानमंत्री महिला हितैषी होने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने भी इस कानून का समर्थन किया था और उसके नेता भी इस कानून का श्रेय ले रहे हैं लेकिन साथ ही वे इस बात का विरोध भी कर रहे हैं कि इसमें पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई है। इस आधार पर विपक्षी पार्टियां केंद्र सरकार और भाजपा को पिछड़ा विरोधी बता रही हैं। महिला आरक्षण के साथ साथ जाति गणना का मुद्दा भी जुड़ा हुआ है। बिहार में जाति गणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के बाद विपक्षी पार्टियों ने पूरे देश में जाति गणना कराने का ऐलान किया है। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में इसका प्रस्ताव पास कराया गया और पिछड़ी जातियों की राजनीति की मशाल लेकर जातीय नेताओं के आगे आगे राहुल गांधी चल रहे हैं। सो, जाति गणना और आरक्षण की सीमा बढ़ाना कांग्रेस का कोर मुद्दा है बाकी सारे मुद्दे इसके ईर्द-गिर्द पूरक की तरह हैं। अगर पांचों राज्यों में कांग्रेस को इसका फायदा मिलता है तो वह और आक्रामक होगी। अगले लोकसभा चुनाव तक कांग्रेस शासित राज्यों में जातीय गणना कराने और जातियों की संख्या के हिसाब से आरक्षण की सीमा बढ़ाने का फैसला हो सकता है। फिर राहुल गांधी का 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा लोकसभा तक चलेगा।

अगर भाजपा के कोर मुद्दे की बात करें तो वह नेतृत्व का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व का डंका भाजपा की ओर से बजाया जा रहा है। जी-२० शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन और अफ्रीकी संघ को उसका सदस्य बनाने के बाद भाजपा और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बार बार भारत को विश्वमित्र कहा जा रहा है। भारत को ग्लोबल साउथ का लीडर बताया जा रहा है। मोदी की हिंदुवादी, राष्ट्रवादी नेता की छवि पहले से रही है। अब विश्व के सबसे बड़े नेता की छवि गढ़ी गई है। इसकी परीक्षा पांच राज्यों में होनी है और इसलिए होनी है क्योंकि पांचों राज्यों में भाजपा उनके चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने इस बार किसी राज्य में मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं घोषित किया है। इसके उलट कांग्रेस ने सभी राज्यों में चुनाव प्रादेशिक क्षत्रपों के हवाले छोड़ा है। सो, मोदी बनाम प्रदेशिक क्षत्रप चुनाव हो रहा है। एक बनाम अन्य का मुकाबला है। लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष कोई चेहरा पेश नहीं करेगा, जबकि भाजपा की ओर से नरेंद्र मोदी का चेहरा होगा। सो, उस चुनाव का रिहर्सल राज्यों में होगा।

इन दो के अलावा बाकी मुद्दे बहुत कॉमन हो गए हैं। उसमें पक्ष और विपक्ष का भेद मिट गया है। ऐसे मुद्दों में मुफ्त की रेवड़ी और हिंदुत्व का जिक्र किया जा सकता है। दोनों पार्टियों के बीच इन मुद्दों पर एक राय है। हालांकि भाजपा की ओर से कांग्रेस को हिंदू विरोधी ठहराने की कोशिश हो रही है। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान की सभा में कहा कि कांग्रेस के राज में हिंदू त्योहारों पर पथराव होता है। उन्होंने जोधपुर में एक हिंदू दर्जी की हत्या का भी जिक्र किया। दूसरी ओर कांग्रेस के प्रदेश के नेता भी हिंदुवाद के एजेंडे को छोड़ नहीं रहे हैं। मध्य प्रदेश में कमलनाथ अपने को बड़ा हिंदुवादी साबित करने में लगे हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र में बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री को बुला कर उनका दिव्य दरबार लगवाया। सनातन विरोध का माहौल न बने इसके लिए उन्होंने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की भोपाल में प्रस्तावित रैली रद्द करा दी। ऐसे ही छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार गाय का गोबर और गोमूत्र खरीद रही है तो राम वन गमन पथ भी बनवा रही है। अगर इन राज्यों में कांग्रेस को कामयाबी मिलती है तो अगले लोकसभा चुनाव में नरम हिंदुत्व के रास्ते पर ही कांग्रेस भी चलती दिखेगी।

मुफ्त की रेवड़ी मामले में भी दोनों पार्टियों की राजनीति एक जैसी है। कांग्रेस ने कर्नाटक की तर्ज पर मध्य प्रदेश में महिलाओं को दो हजार रुपए महीना देने का ऐलान किया तो शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने लाड़ली बहना योजना शुरू करके महिलाओं को साढ़े 12 सौ रुपए महीना देना शुरू भी कर दिया। कांग्रेस ने राजस्थान में पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने का ऐलान किया तो केंद्र की मोदी सरकार ने उज्वला के तहत मिलने वाले रसोई गैस सिलेंडर पर सब्सिडी बढ़ा कर दो सौ कर दी, जिससे सभी लाभार्थियों को छह सौ रुपए में सिलेंडर मिलने का रास्ता साफ हो गया।

अब कांग्रेस नर्सरी के बच्चों को भी हर महीने नकद पैसे देने का वादा कर रही है। जिस राज्य में जिसकी सरकार है उसने चुनावी साल में खजाना खोल दिया तो जो विपक्ष में है वह खजाना खोलने का वादा कर रहा है। इसकी परीक्षा भी चुनाव में होगी। अगर ज्यादा से ज्यादा मुफ्त की रेवड़ी देने का वादा करने वाला कामयाब होता है तो अगले लोकसभा चुनाव में यह सबसे बड़ा मुद्दा होगा।

सू- दोकू क्र.070

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.69 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

अर्थव्यवस्था के अंतर्विरोध

अगर वास्तविक अर्थव्यवस्था की चुनौतियां बढ़ रही हैं, तो जीडीपी में ऊंची वृद्धि दर कहां से आ रही है? जाहिर है, यह शेयर, बॉन्ड और ऋण बाजार से आ रही है। यह एक बड़ा अंतर्विरोध है, जिसे समझना आज सर्वाधिक आवश्यक है।

ये तीन ताजा आर्थिक सुर्खियां है- जुलाई से सितंबर की तिमाही में भारत में नए निवेश की घोषणा में इस वित्त वर्ष कि पहली तिमारी की तुलना में 13 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की तुलना में 21.5 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके पहले इस वर्ष पहली तिमाही यानी मार्च से जून तक उसके पहले वाली तिमाही की तुलना में नए निवेश की घोषणाओं में 45.8 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। इनके बीच चिंता का पहलू प्राइवेट निवेश में आई भारी गिरावट है। दूसरी हेडलाइन बीते अगस्त महीने के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक से संबंधित है। बताया गया था कि इस सूचकांक 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मगर अब एक अखबार ने बताया है कि इस सकल बढ़ोतरी के अंदर मैनुफैक्चरिंग सेक्टर के एक तिहाई हिस्से का हाल यह रहा कि उसमें वृद्धि दर आधार वर्ष यानी २०११-१२ के अगस्त में दर्ज हुई वृद्धि से भी नीचे चली गई। इस सेक्टर में वस्त्र, चमड़ा, लकड़ी, कागज, तंबाकू, कृत्रिम धातु, प्रिंटिंग आदि शामिल हैं। लेकिन ऐसी बदहाली सिर्फ पुराने दौर के उद्योगों की नहीं है। बल्कि यह भी ताजा सुर्खी है कि सूचना तकनीक (आईटी) कंपनियों में हजारों लोगों को काम से हटा दिया गया और कर्मचारियों की वेतन वृद्धि रोक दी गई है। ऐसा आईटी उद्योग की संभावनाएं कमजोर होने के आम अनुमान की वजह से है। अनुमान में गिरावट मांग और आपूर्ति से जुड़े मसलों के कारण आई है। अगर अब दूसरी तरफ निगाह डालिए। पिछले हफ्ता शेयर मार्केट ऊंचाइयों पर बंद हुआ। उधर भारत के जीडीपी में 6 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर दर्ज होने का अंदाजा लगातार बना हुआ है। खुद प्रधानमंत्री ने आईएमएफ के इस अनुमान को ट्विट किया कि इस वर्ष भी भारत सबसे ऊंची वृद्धि दर करने वाला देश रहेगा। तो अगर वास्तविक अर्थव्यवस्था की चुनौतियां बढ़ रही हैं, तो यह वृद्धि दर कहां से आ रही है? जाहिर है, यह शेयर, बॉन्ड और ऋण बाजार से आ रही है। संभवतः शेयर बाइबैक जैसी बढ़ती प्रवृत्तियों के कारण वहां की कुछ वृद्धि भी कृत्रिम हो। स्पष्टतः इस अंतर्विरोध को समझना आज सर्वाधिक आवश्यक है। (आरएनएस)

बेटों, भतीजों को टिकट!

कांग्रेस पार्टी के ऊपर भले परिवारवाद के आरोप लगें लेकिन वह नेताओं के बेटे, भतीजों, भाइयों आदि को टिकट देने में नहीं हिचकती है। हर चुनाव में कांग्रेस के कुछ पुराने नेता अपनी सीट छोड़ रहे हैं और अपने बच्चों को आगे कर रहे हैं। कुछ नेता तो खुद भी चुनाव लड़ रहे हैं और परिवार के सदस्यों के लिए भी टिकट ले रहे हैं। कांग्रेस ने अभी तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए 229 उम्मीदवारों की घोषणा की है। इसमें कई सीटों पर पार्टी के पुराने नेताओं ने अपनी दावेदारी छोड़ दी और उनकी जगह उनके बेटों को टिकट दी गई। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के दिवंगत नेता महेंद्र कर्मा के बेटे छविंद्र कर्मा को दंतेवाड़ा से टिकट दी गई है। महेंद्र कर्मा की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। उसके बाद उनकी पत्नी देवती कर्मा चुनाव लड़ी थीं लेकिन इस बार उनकी जगह उनके बेटे छविंद्र को टिकट दी गई है। इसी तरह मध्य प्रदेश के दिग्गज नेता कांतिलाल भूरिया की जगह उनके बेटे विक्रांत भूरिया को झाबुआ सीट से कांग्रेस ने टिकट दी है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ सांसद हैं, जबकि कई चुनाव पहले ही दिग्विजय सिंह की सीट से उनके बेटे जयवर्धन चुनाव लड़ते हैं। दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह भी चुनाव लड़ रहे हैं और भतीजे प्रियव्रत सिंह को भी टिकट मिली है।(ऌंद्रफ्र- र ह)

उपराष्ट्रपति दो दिवसीय उत्तराखण्ड यात्रा पर

❑गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के करेंगे दर्शन

संवाददाता

देहरादून। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड 26 से उत्तराखण्ड की यात्रा पर आ रहे हैं। यहां वह गंगोत्री, केदारनाथ व बद्रीनाथ धाम के दर्शन के साथ ही वन अनुसंधान संस्थान के कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे।

आज यहां पीआईबी से मिली जानकारी के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप ध नखड एवं डॉ. सुदेश धनखड 26 व 27 अक्टूबर को उत्तरखण्ड की दो दिवसीय यात्रा पर आयेंगे। उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद राज्य में उनकी पहली यात्रा होगी। उपराष्ट्रपति 26 को गंगोत्री जायेंगे और फिर अगले दिन वे केदारनाथ व बद्रीनाथ धाम के दर्शन भी करेंगे। वह वन अनुसंधान संस्थान में कंट्री लेड इनिशिएटिव (सीएलआई) के समापन समारोह को सम्बोधित करेंगे। अपनी इस यात्रा में उनका देहरादून राजभवन जाने का भी कार्यक्रम है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने सौंग नदी के पुल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से आठ ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकित मलिक पुत्र प्रहलाद मलिक निवासी शामली बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगे 70 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। नौकरी लगाने के नाम पर 70 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धार्थ मार्ग कंडोली निवासी राजेन्द्र सिंह चौहान ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा व्हटसएप व टेलीग्राम में जॉब लगाने के लिए मैसेज आया पहले बीस हजार रूपये और फिर 50751 रूपये मांगे गये जो उसने जॉब के लालच में बताये गये एकाउंट में डाल दिये। उसके बाद जब दोबारा धनराशि की मांग की गयी उसको सारा मामला फ्राड जैसा प्रतीत हुआ। उसने उनको दोबारा कोई धनराशि नहीं दी और साइबर सेल में शिकायत की गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक घायल

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीदेव सुमन नगर निवासी अमन कोठारी पैदल यमुना कालोनी से घर की तरफ जा रहा था। जब वह यमुना कालोनी चौक से कुछ आगे पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल के पिता कुशालनंद कोठारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ट्रक के टायर चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने ट्रक के पीछे के दो टायर व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जोशीवाडा उत्तरकाशी निवासी प्रभुनाथ गुसांई ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना ट्रक शिव मन्दिर के पास खडा किया था। आज जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि किसी ने उसके ट्रक के पीछे के दो टायर, राइट साइड रिम, जैक, टूक बॉक्स व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'पहाड़ों की बेटी' ने अमृत कलश यात्रा में उत्तराखंड भ्रमण कर 108 कलश किये एकत्रित

संवाददाता

देहरादून। माया देवी एजुकेशन फाउंडेशन की प्रबंध निदेशक डॉ तृप्ति जुयाल सेमवाल जिनको अब पहाड़ों की बेटी के नाम से जाना जाने लगा है, मेरी माटी मेरा देश अभियान के लिए पूरा उत्तराखंड भ्रमण कर चुकी है। डॉ. तृप्ति की ये अमृत कलश यात्रा महासू देवता मंदिर, हनोल से 2 अक्टूबर को प्रारम्भ हुई जो पुरोला, विकासनगर, देहरादून, ऋषिकेश, चम्बा, टिहरी, श्रीनगर, पौडी, नैनीताल, कैंची धाम, कालाढूंगी, हरिद्वार होते हुए टपकेश्वर मंदिर, देहरादून में 25 अक्टूबर को समाप्त हुई।

डॉ. तृप्ति की इस अमृत कलश यात्रा के भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सविता कपूर, विधायक, देहरादून कैंट, सुनील उनियाल गामा, मेयर, देहरादून, महंत कृष्णा गिरी महाराज, महंत भरत गिरी महाराज, श्रीमती देश रत्ना, डिप्टी कमांडेंट, नॉर्डर्न फ्रंटियर, आई.टी.बी.पी. और सांस्कृतिक विभाग के निदेशक बीना भट्ट रहे।

डॉ. तृप्ति ने बताया कि यात्रा शुरू करने के लिए 101 कलश एकत्र करने का अभियान शुरू किया गया था, पर भगवान के आशीर्वाद से इस अभियान में 108 गांव, स्कूलो, शहीदों के घरों एवं मंदिरों की मिट्टी एकत्र करी गई। डॉ. तृप्ति ने यह भी कहा कि उनकी इस यात्रा के दौरान उत्तराखंड के लोगों का बहुत समर्थन मिला। गांवों की महिलाएं उनके साथ कंधे से कंधा मिला के चली और वही स्कूलो के छोटे बच्चों ने इसमे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया साथ साथ उन्हें कहा कि शहीदों के घरो से मिट्टी इकट्ठा करना उनके लिए बहुत भावुक था। इस यात्रा के दौरान डॉ. तृप्ति ने बच्चों को मिट्टी से जुड़ने का महत्व भी बताया और बच्चों को उनके करियर के लिए गाइड भी किया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि प्रधान मंत्री मोदी जी के मेरी माटी मेरा देश अभियान ने देश को एक सूत्र में पिरो दिया है। शहीदों को सम्मान देने के लिए इस से अच्छा कोई और अभियान हो ही नहीं सकता।

कार्यक्रम में माया कॉलेज के छात्रों ने सरस्वती वंदना और गढ़वाली नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही होप टाउन स्कूल के विद्यार्थियों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। आईटीबीपी के डिप्टी कमांडेंट देश रत्न और सांस्कृतिक विभाग के निदेशक बीना भट्ट ने डॉ. तृप्ति को उत्तराखंड के 108 गांव, मंदिरो, स्कूलों और शहीदों के घरो से मिट्टी एकत्र करने के लिए बध ाई दी। मंच का संचालन माया कॉलेज के कैंपस डीन डॉ. मनीष पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में माया देवी एजुकेशन फाउंडेशन के संरक्षक मनोहर लाल जुयाल, उपाध्यक्ष डॉ. आशीष सेमवाल, आशुतोष बडोला, ललित मोहन वर्मा, कृष्णा साह, सुमन, रितिका, मुशर्रफ, सचिन, संजीव कुमार आदि उपस्थित थे।

शातिर महाठग को चालक सहित एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अयोध्या। लखनऊ की एसटीएफ टीम ने जनपद के रौनाही थाना क्षेत्र निवासी 15 हजार के इनामी एक महाठग को सर्किट हाउस के बाहर से उसके वाहन चालक सहित गिरफ्तार कर लिया है। यह महाठग इतना शातिर किस्म का है जो खुद को रेल समेत विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों का सलाहकार बताता था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार का वास्ता देकर उसने गाजियाबाद कमिश्नरी से सुरक्षा और भौकाल के लिए सरकारी गनर ले रखा था।

जानकारी के अनुसार धार्मिक स्थलों पर हेलीकाप्टर सेवा का काम दिलाने के लिए उसने एक शख्स को झांसे में लिया था और उस शख्स को अयोध्या घुमाने और दर्शन पूजन कराने वह लेकर आ रहा था। गिरफ्तार अनूप के खिलाफ गबन, धोखाधड़ी, साजिश आदि के प्रदेश के विभिन्न जनपदों समेत राजस्थान और उत्तराखंड में कुल नौ मामले दर्ज मिले है। राजस्थान में सीबीआई ने अदालत में आरोप पत्र भी दाखिल कर रखा है साथ ही फरार होने के चलते उत्तराखंड से 15 हजार का इनाम भी घोषित है।

एसटीएफ के निरीक्षक प्रमोद कुमार वर्मा द्वारा दर्ज कराए गये एफआईआर के मुताबिक ठगी करने वाले ने प्रोटोकाल हासिल करने के लिए फर्जी पत्र भेज अयोध्या सर्किट हाउस बुक किया गया था। उसके आने की सूचना पर टीम ने कैंट थाना क्षेत्र में सर्किट हाउस के पास सफेद रंग की स्कार्पियों को रोककर पड़ताल की। वाहन सवार अनूप चौधरी ने खुद को क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति उत्तर रेलवे एवं भारतीय खाद्य निगम लखनऊ का सदस्य और इसी जिले के रौनाही थाना क्षेत्र के पिलखावां का मूल निवासी बताया। उसने बताया कि उसने लोगों को झांसे में लेने और उनसे ठेका और योजना का लाभ दिलाने के नाम पर ठगी के लिए अपने चालक फिरोज का फर्जी आधार बनवाया और गाजियाबाद से गनर पवन कुमार को लिया। फर्जी ओएसडी श्रीनिवास नाराला के माध्यम से प्रोटोकाल हासिल करने के लिए सरकारी प्रारूप पर पत्र व ई-मेल अधिकारियों को भेजवाया था। एक कंपनी बनाकर अयाध्या समत अन्य धार्मिक स्थलों पर हेलीकाप्टर सेवा करने का सत्य प्रकाश वर्मा को झांसा दिया था और उसे लखनऊ से यहां घुमाने लेकर आ रहा था। उन्होंने बताया कि एसटीएफ ने कैंट थाने में धोखाधड़ी, कूटरचना और साजिश की धारा में मुकदमा दर्ज करवाया है। एसटीएफ ने इनके पास से वाहन के अलावा 5 मोबाइल फोन, एक टैबलैट, 3 चेक बुक, विभिन्न बैंको के 20 चेक, 3 आधार कार्ड, एक एटीम कार्ड और 2200 रुपये बरामद किये है। अनूप चौध री ने अपना हालपता वैशाली अपार्टमेन्ट, जनपद गाजियबाद तथा चालक फिरोज आलम ने ग्राम बेंतवाला, काशीपुर, थाना कुण्डा, जनपद उद्यमसिंहनगर, उत्तराखण्ड बताया है। सभी का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद चालान किया गया। कैंट पुलिस ने दोनों को रिमांड मैजिस्ट्रेट के सामने पेश किया, जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

एक नजर

यमुना एक्सप्रेसवे पर कार की डिग्गी में बंद मिला बिल्डर का बेटा

आगरा। आगरा पुलिस की तत्परता से मंगलवार को एक बड़ी घटना टल गई। फरीदाबाद एक बिल्डर के बेटे को कार ड्राइवर ने अपने साथी की मदद से किडनैप कर लिया। इसके बाद उसे कार की डिग्गी में बंद कर दिया। पीड़ित अपनी बहन के घर जाने के लिए नोएडा के लिए निकला था। किडनैपर्स ने यमुना एक्सप्रेस-वे से भागने की कोशिश की। लेकिन फास्टटैग मैसेज देखकर परिवारीजनों को अनहोनी की आशंका हुई। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने तत्काल हरकत दिखाई और व्यापारी के बेटे को सकुशल बरामद कर लिया। फरीदाबाद में सैनिक नगर के रहने वाले आशीष अग्रवाल बिल्डर हैं। उनका बेटा ईशांत बीबीए का छात्र है। मंगलवार को वह अपनी बहन के घर जाने के लिए नोएडा के लिए निकला था। कार ड्राइवर आकाश यादव चला रहा था। रास्ते में कार ड्राइवर आकाश ने अपने साथी आशीष यादव की मदद से ईशांत को किडनैप कर लिया। इसके बाद उसे कार की डिग्गी में डाल दिया। फिर नोएडा जाने की जगह उसने यमुना एक्सप्रेस-वे से भागने की कोशिश की। कार जब जेवर टोल प्लाजा पार कर रही थी, तभी फास्टटैग कटने का मेसेज बिल्डर आशीष के मोबाइल पर आया। कुछ देर बाद मथुरा टोल प्लाजा पार करने का मैसेज आया। इस पर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने आगरा पुलिस को सूचित किया।

इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन से मिलीं कंगना रनौत

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत मंगलवार को इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन से मिलीं। यह मुलाकात दिल्ली में इजरायल एंबेसी के दफ्तर में हुई। बता दें कि कंगना राजनीति में रुचि रखती हैं। वे अकसर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय बेबाकी से रखती हैं। उन्होंने इजरायल के राजदूत से मुलाकात की वीडियो पोस्ट करके लिखा कि आज पूरी दुनिया, खासकर इजरायल और भारत आतंकवाद के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। कल जब मैं रावण दहन करने दिल्ली पहुंची तो मुझे लगा कि इजरायल एंबेसी आकर उन लोगो से मिलना चाहिए, जो आज के आधुनिक रावण हमास रूपी आतंकवादियों को परास्त कर रहे हैं। जिस प्रकार से छोटे बच्चों को और महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा हैं, दिल को झकझोर देने वाला है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आंतकवाद के खिलाफ इस युद्ध में इजरायल विजयी होगा। कंगना रनौत ने लिखा कि मेरा दिल इजरायल के लिए रो रहा है। हमारे दिलों से भी खून बह रहा है। उन्होंने इजरायल के राजदूत से अपनी आने वाली फिल्म श्तेजसश और देश की ताकत लड़ाकू विमान तेजस के बारे में भी चर्चा की। बता दें कि कंगना ने कुछ दिन पहले भी इजरायल का सपोर्ट किया था।

देश के लिए जेल भी जाने को तैयार हूंः डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन।अमेरिक के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप अगले साल अमेरिका में होने वाले आम चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर राष्ट्रपति पद के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। उन्होंने न्यू हैम्पशायर के डेरी में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरन उन्होंने कहा कि अगर देश के लिए लड़ने में हेरी हालत नेल्सन मंडेला जैसी हो जाती है, तो भी कोई आपत्ति नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला से अपनी तुलना की। वे मंगलवार को एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने खुद के ऊपर लगे आरोपों को लेकर कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला से अपनी तुलना करते हुए कहा कि वह ष्वे इस कारण ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि देश में नागरिकों की सुरक्षा और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया जा सके।ष ट्रंप ने कहा कि अगर देश में रिपब्लिकन पार्टी जीत रही है, तो वे देश में लोकतंत्र की सुरक्षा और नागरिकों के हित में जेल भी जाने को तैयार हैं। पूर्व राष्ट्रपति के वकीलों ने सोमवार को 2020 के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़े आपराधिक मामले की देखरेख करने वाले संघीय न्यायाधीश से उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज करने मांग की और अदालत को बताया कि मामला राजनीति से प्रेरित है। ट्रंप के खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करने की मांग के साथ कोर्ट को बताया गया कि मामला सिर्फ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को बेवजह फंसाने के लिए है।

निवेशकों की तलाश में धामी चेन्नई रवाना

तमिलनाडु के साथ गहरे सांस्कृतिक रिश्तेः धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। दिसंबर माह में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों में जुटे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार की कोशिश है कि इस समिट के जरिए वह अधिक से अधिक निवेश राज्य में लाएं जिससे राज्य में विकास को रफ्तार मिल सके। मुख्यमंत्री धामी इसी कड़ी में की जा रही कोशिशों के तहत आज शाम दून से दिल्ली रवाना हो चुके हैं जहां से वह चेन्नई जाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चेन्नई रवाना होने से पूर्व कहा कि तमिलनाडु के साथ उत्तराखंड के गहरे सांस्कृतिक और धार्मिक रिश्ते हैं। यहां बाबा केदार विराजते हैं तो वहां रामेश्वरम। उनका कहना है कि हर साल लाखों लोग तमिलनाडु से चार धाम यात्रा पर आते हैं। उनसे जब यह पूछा गया कि तमिलनाडु से उन्हें किस क्षेत्र में निवेश मिलने की उम्मीद है तो उन्होंने कहा कि शिक्षा, उद्योग और पर्यटन कई क्षेत्र ऐसे हैं जिसमें तमिलनाडु के लोग निवेश करना चाहते हैं। सीएम धामी आज रात 8 बजे चेन्नई पहुंचेंगे और उद्योग जगत की हस्तियों के साथ उनकी बैठक होगी। सीएम धामी के साथ पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज भी चेन्नई गए हैं।

❑पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज भी साथ
❑कल रोड शो और उद्यमियों से वार्ता

उल्लेखनीय है कि अभी जब धामी अपने दुबई दौरे पर गए थे तब उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत भी गए थे। उत्तराखंड सरकार को अब तक लगभग 55 हजार करोड़ का निवेश मिल चुका है जिन कंपनियों के साथ निवेश प्रस्तावों पर एम ओ यू साइन हो चुके हैं उन्हें समिट से पूर्व ग्राउंड पर उतारने की तैयारी भी चल रही है।

त्रिवेंद्र सरकार के कार्यकाल में हुई इन्वेस्टर समिट के प्रस्तावों के धरातल पर न उतर पाने के बारे में उनका कहना है कि कोरोना के कारण जो निवेश नहीं हो सका था हम अब उन्हें भी लाने की तैयारी कर रहे हैं। कल धामी का यहां एक बड़ा रोड शो भी आयोजित होना है। वहीं इसके बाद 28 अक्टूबर को उनका मुंबई और 1 नवंबर को गुजरात दौरा भी प्रस्तावित है। सरकार ने इस समिट के जरिए 2.5 लाख निवेश का लक्ष्य रखा है।

रावण दहन के समय ड्रोन उडाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। रावण दहन के समय बिना अनुमति के परेड ग्राउंड में ड्रोन उडाने वालों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ड्रोन को कब्जे में ले लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस विजयदशमी के अवसर पर परेड ग्राउंड में बन्नू बिरादरी के तत्वाधान में रावण दहन कार्यक्रम प्रस्तावित था जिसे शासन से अनुमति प्राप्त थी जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित अतिविशिष्ट महानुभावों की उपस्थिति, उच्चाधिकारी, बडी संख्या में महिलायें, पुरूषों तथा बच्चे सम्मिलित थे। उनकी सुरक्षा हेतु जनपद से भारी पुलिस बल नियुक्त था। उक्त परेड ग्राउण्ड पर वीआईपी प्रोटोकाल के विरूद्ध ड्रोन उडाया जा रहा था। जबकि उक्त स्थान पर पूर्व से ही कार्यक्रम के दृष्टिगत किसी भी प्रकार के ड्रोन के उडाये जाने से मना किया गया था। उक्त ड्रोन को रोहित सिंह पुत्र भजन सिंह निवासी चमोली हाल निवासी शिव एन्कलेव नथुवावाला के द्वारा उडाया जा रहा था। जिससे पूछा गया तो बताया कि वह व उसके दो अन्य साथी उक्त ड्रोन को उडा रहे थे। रोहित से उक्त ड्रोन को उडाने की अनुमति दिखाने को कहा तो अनुमति नहीं दिखा सका। जिसके बाद मुख्यमंत्री व जन सुरक्षा को देखते हुए ड्रोन को रिमोट व बैटरी के साथ जब्त कर रोहित सिंह व उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पत्रकार से अभद्रता करने पर हर्ष अरोडा लाईन हाजिर

संवाददाता

देहरादून। रावण दहन के समय कवरेज के लिए गये पत्रकार के साथ अभद्रता करने पर एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से एसओजी में तैनात दरोगा हर्ष अरोडा को तत्काल प्रभाव से लाईन हाजिर कर दिया। डीजीपी ने शाम तक का समय कार्यवाही के लिए दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस परेड ग्राउण्ड में विजयदशमी के दौरान बन्नू बिरादरीक के तत्वाधान में रावण का पुतला दहन कार्यक्रम था जिसको कवरेज करने के लिए विभिन्न समाचार पत्रों से पत्रकार वहां पर मौजूद थे। इसी दौरान एसओजी में तैनान हर्ष अरोडा के द्वारा एक पत्रकार के साथ अभद्रता करते हुए उसके साथ धक्का मुक्की की गयी तथा इस दौरान डालनवाला कोतवाल राजेश शाह ने मौके पर पहुंच हर्ष अरोडा को समझाया गया। लेकिन इसी दौरान किसी के द्वारा पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना दिया तथा उक्त वीडियो वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने पर एसएसपी अजय सिहं ने घटना को गम्भीरता से लेते हुए दरोगा हर्ष अरोडा को तत्काल प्रभाव से लाईन हाजिर कर मामले की जांच सीओ डालनवाला को सौप दी। इस मामले में पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मण्डल पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार से मिला और पूरे प्रकरण की जानकारी दी। जिसके बाद डीजीपी ने पत्रकारों से शाम तक का समय कार्यवाही के लिए मांगा है।

जमरानी बांध परियोजना..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

माह जनवरी 2023 में प्रदान कर दी गयी है, जिससे प्रस्तावित बांध निर्माण की राह और आसान होगी तथा परियोजना प्रभावित परिवारों के विस्थापन हेतु प्राग फार्म की प्रस्तावित 300.5 एकड भूमि का प्रस्ताव दिनांक 18.05.2023 को उत्तराखण्ड सरकार की कैबिनेट में पारित किया जा चुका है। उपरोक्त प्रस्तावित भूमि को शीघ्र ही सिंचाई विभाग को हस्तांतरित किये जाने के लिए भी कार्यवाही गतिमान है। इसी क्रम में अब इस बांध परियोजना को केंद्रीय कैबिनेट ने अपनी हरी झंडी प्रदान कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।